अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–222 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 11 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका गांधी का एलान: सरकार बनी तो आशा बहनों और आंगनबाड़ी कर्मियों को हर महीने 10 हजार रुपये मानदेय

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने एलान किया है कि यूपी में सरकार बनने पर आशा बहनों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को

प्रतिमाह 10 रुपये मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आशा बहनों पर किया गया एक–एक वार उनके द्वारा किए गए कार्यों का अपमान है। मेरी आशा बहनों ने कोरोना में व अन्य मौकों पर पूरी लगन से अपनी सेवाएं दीं। मानदेय उनका हक है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आशा बहनें सम्मान की हकदार हैं और मैं इस लड़ाई में उनके साथ हूं। कांग्रेस पार्टी आशा बहनों के मानदेय के हक और उनके सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध है और सरकार बनने पर आशा बहनों एवं आंगनबाड़ी कर्मियों को 10,000 रु प्रतिमाह का मानदेय देगी।

गोली चलने की पुष्टि, मृत पत्रकार का भाई पहुंचा अदालत

लखीमपुर खीरी (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी मामले में विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट में मुख्य अभियुक्त और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की राइफल तथा दो अन्य हथियारों से गोली चलाए जाने की पुष्टि हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। एक अन्य घटनाक्रम में लखीमपुर खीरी कांड में मारे गए पत्रकार रमन कश्यप के भाई पवन ने इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा और उनके बेटे समेत 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने का आग्रह करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। पिछले तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकोनिया क्षेत्र में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

पीएम मोदी ने दी छठ पूजा की शुभकामनाएं, जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने भी दी महापर्व की बधाई

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को सूर्योपासना के महापर्व छठ की शुभकामनाएं देते हुए हर किसी के उत्तम स्वास्थ्य और सुख सौभाग्य की कामना की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा , केंद्रीय मंत्री अमित शाह , राजनाथ सिंह समेत मोदी सरकार के मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने भी छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी है। छठ महापर्व को लेकर अपने मन की बात के अपने पुराने अंश के प्रसारित वीडियो को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने ट्वीट किया, सूर्योपासना के महापर्व छठ की आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं। छठी मईया हर किसी को उत्तम स्वास्थ्य और सुख–सौभाग्य प्रदान करें।

पीएम मोदी ने शेयर किए अपने वीडियो में सूर्य वंदना या छठ–पूजा को पर्यावरण संरक्षण, रोग निवारण व अनुशासन का पर्व बताते हुए कहा कि यह ऐसा पर्व है, जिसमें खान–पान से लेकर वेशभूषा तक, हर बात में पारंपरिक नियमों का पालन किया जाता है । छठ–पूजा का अनुपम–पर्व प्रकृति से और प्रकृति की उपासना से पूरी तरह जुड़ा हुआ है ।

वीडियो में छठ महापर्व की महिमा के बारे में बताते हुए पीएम मोदी ने कहा है, आस्था के इस महापर्व में उगते सूर्य की उपासना और डूबते सूर्य की पूजा का सन्देश अद्वितीय संस्कार से परिपूर्ण है। दुनिया तो उगने वालों को पूजने में लगी रहती है लेकिन छठ–पूजा हमें, उनकी आराधना करने का भी संस्कार देती है जिनका डूबना भी प्रायः निश्चित है ।

पीएम मोदी ने शेयर किए गए वीडियो में कहा है, हमारे जीवन में स्वच्छता के महत्व की अभिव्यक्ति भी इस त्योहार में समाई हुई है । छठ से पहले पूरे घर की सफाई, साथ ही नदी, तालाब, पोखर के किनारे, पूजा–स्थल यानि घाटों की भी सफाई, पूरे जोश से सब लोग जुड़ करके करते हैं । सामान्य रूप से लोग कुछ माँगकर लेने को हीन–भाव समझते हैं लेकिन छठ–पूजा में सुबह के अर्घ्य के बाद प्रसाद मांगकर खाने की एक विशेष परम्परा रही है । भारत के इस महान परम्परा के प्रति हर किसी को गर्व होना बहुत स्वाभाविक है । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया , सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।अपने प्रकाश से अंधकार को मिटाने वाले सूर्यदेव और छठी मैया से सभी के सुख, शांति, वैभव एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जय छठी मैया कहते हुए ट्वीट किया, समस्त देशवासियों को सूर्य आराधना के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्यदेव सभी के जीवन में सुख–समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करें। जय छठी मैया । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया, महापर्व छठ की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मइया आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आयें, यही कामना है। जय छठी मइया

योगी आदित्यनाथ ने की कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्रारंमिक चरण के 'ट्रायल रन' की शुरुआत

कानपुर ,(वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्रारंमिक

चरण के 'ट्रायल रन' की शुरुआत की और संकेत दिया कि इसके वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। मुख्यमंत्री ने आईआईटी–कानपुर से मोतीझील के बीच मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन की शुरुआत के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''अगले चार से छह सप्ताह के अंदर मेट्रो 'ट्रायल रन' की पूरी कार्रवाई संपन्न होने की उम्मीद है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से हम मेट्रो की सेवा कानपुर वासियों को उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने कहा, ''कानपुर वासियों को मैं इसके लिए अग्रिम बधाई देता हूं। कानपुर मेट्रो का यह कार्यक्रम अपने निर्धारित समय से पहले हो रहा है। अगले चार से छह सप्ताह में कानपुर वासियों के पास मेट्रो रेल के तौर पर यातायात की बेहतरीन सुविधा होगी। जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर के मुताबिक कानपुर मेट्रो का संचालन 31 दिसंबर से शुरू होने वाला है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इसे 15 से 20 दिसंबर तक शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मेट्रो का यह 'ट्रायल रन' नवंबर के मध्य में होना था, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसे निर्धारित समय से पहले कराया गया है। योगी ने कहा कि 15 नवंबर 2019 को कानपुर मेट्रो का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। लेकिन वैश्विक कोविड–19 महामारी की चुनौती के बावजूद उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने यह उपलब्धि हासिल की है। इस पूरे कार्यक्रम में केंद्र सरकार ने भी योगदान किया है।

इससे पहले, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने मुख्यमंत्री को कानपुर मेट्रो सेवा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। योगी ने इस दौरान मेट्रो रेल के कोच का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कानपुर मेट्रो का वाणिज्यिक संचालन 15 से 20 दिसंबर के बीच शुरू कर दिया जाएगा।

कानपुर मेट्रो के एक अधिकारी के मुताबिक पहले चरण में मेट्रो आईआईटी कानपुर और मोती झील के बीच नौ किलोमीटर के दायरे में दौड़ेगी। दूसरे चरण में मेट्रो मोतीझील से ट्रांसपोर्ट नगर के बीच चलाई जाएगी।

चुनावी लहर पार करने के लिए नौका लेकर गंगा में उतरी भाजपा

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में होंने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गंगा किनारे रहने और यहां से ही अपनी आजीविका चलाने वाले निषाद, बिंद और मछुआरा समाज के लोगों के बीच भारतीय जनता पार्टी अपनी पैठ और मजबूत करने का प्रयास में जुट गयी है। इसी के तहत वह कमल नौका रैली निकाल कर इनके बीच अपने समीकरण को मजबूत करने के प्रयास में लगी है।

भाजपा जानती हैं कि पिछड़ों को वोट बैंक में निषाद, मछुआरा समाज का वोट बहुत महत्वपूर्ण कड़ी हो सकता है। इसी कारण वह चुनावी लहर पार करने के लिए पार्टी गंगा में नौका लेकर उतर गयी है। निषाद वोटों की अहमियत को जानते हुए 2019 में भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने निषाद पार्टी के साथ गठबंधन किया था। पार्टी ने प्रवीण निषाद को टिकट दिया और वह संत कबीर नगर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल करने में सफल रहे थे। वोट बैंक को सहेजने के लिए भाजपा ने जयप्रकाश निषाद को राज्यसभा भेजा। 2022 में होंने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के साथ गठबंधन भी किया है और उन्हें विधानपरिषद भी भेजा है।

भाजपा के जानकारों का मानना है कि अगर राजभर का वोट उनके पाले से कुछ खिसकेगा तो उसकी भरपाई निषाद वोटों के जरिए से कर ली जाएगी। इसकी वजह ये है कि पूरे राज्य में तकरीबन पाच प्रतिशत वाले इस समाज के वोट बैंक का ठीक–ठाक प्रभाव है। इनकी कई उपजातियां भी है। मल्लाह, केवट, बिंद, कश्यप और सोरहिया। गोरखपुर, गाजीपुर, बलिया, संतकबीर नगर, मऊ, मिजार्पुर, भदोही, वाराणसी, प्रयाग ,फतेहपुर, मछलीषहर, लालगंज, आजमगढ़ और हमीरपुर जिले में निषाद मतदाताओं की संख्या अधिक है।

गंगा किनारे के हर क्षेत्र में कुछ न कुछ मछुआरा और निषाद समाज के लोग हैं। कई दर्जन विधानसभाओं में इस जाति का अच्छा प्रभाव माना जाता है। हलांकि कुछ जगह यह अलग–अलग खेमों में बंटे हैं। इनके समाज के अपने नेता भी है। इसी कारण भाजपा इसी वोट बैंक पर और ज्यादा फोकस करने के लिए इस यात्रा को निकालने की शुरूआत कर चुकी है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री अश्विनी त्यागी ने बताया कि राज्य में गंगा किनारे रहने वाले नौका के जरिए ही अपना भरण पोषण करने वालों को और अधिक सम्मान देंने के लिए भाजपा ने कमल नौका रैली की शुरूआत की है। कुल पांच यात्राएं निकलनी है। पहली यात्रा 31 अक्टूबर प्रयागराज से हुई थी। इसके बाद कानपुर, फिर बदायूं के कछला में हो चुकी है। इसके बाद गढ़मुक्तेश्वर, और फिर 13 नवम्बर को काशी में यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का मकसद नदी किनारे रहने वाले लोगों को जागरूक करना है। इस दौरान उनके लिए चलाई जा जनकल्याणकारी उपलब्धियां भी बताई जाती है। कमल नौका रैली में सरकार और संगठन के लोग रहते है। अभी तक के कार्यक्रम में तकरीबन 300 के आस–पास नौकाएं रही है। इसका समाज में बहुत प्रभाव है।

मछुआरा प्रकोष्ठ का संयोजक व राज्य सभा सांसद जय प्रकाश निषाद ने बताया कि निषाद समाज को मुख्यधारा से वंचित रखा गया है। इन्हें किसी राजनीतिक पार्टी ने बड़े आयोजन का सहभागी नहीं बनाया है। इसी कारण भाजपा ने इन्हें और उचित सम्मान देने के लिए कमल नौका रैली निकालने का निर्णय लिया है। नौका रैली निकालने से पहले यह लोग नाव और गंगा मइया की पूजा करते हैं। यह एक घाट से उस पार घाट में जाते हैं। वहां पर गंगा की आरती होती है। उसमें मछुआरा समाज के साथ आस–पास रहने वाले लोगों के साथ सहभोज होता है। इसके बाद अपनी–अपनी बात रखते है। यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित कहते हैं कि मां गंगा न केवल हमारी अस्था का केन्द्र हैं, बल्कि हमारी संस्कृति व सभ्यता की परिचायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में नमामि गंगे अभियान के तहत निर्मल व अविरल गंगा के संकल्प को भाजपा सरकार ने पूरा किया है। इसलिए नौका रैली के जरिए न हम केवल गंगा की अध्यमिकता और पवित्रता से लोगों को जोड़ रहे है। गंगा के किनारे निवास करने वाले अहम घटकों के योगदान को रेखांकित कर रहे हैं।

मा. राज्यमंत्री औद्योगिक विकास विभाग, उ.प्र. सरकार श्री धर्मवीर प्रजापति ने जनपद सीतापुर में विधानसभा बिसवाँ के अंतर्गत ग्राम जलालपुर के निवासी रूपेश प्रजापति का जेल में देहांत की सूचना पर उनके आवास जाकर परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। परिवार को न्याय दिलाने हेतु आश्वासन भी उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास राज्य मंत्री श्री धर्मवीर प्रजापति ने दिया। उन्होंने दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिवार को संबल प्रदान करने की कामना करते हुये विनम्र श्रद्धांजलि दी।

ब्यूरो अवध की आवाज सीतापुर

प्रवर्तन दल की टीम, पी आर डी जवानों एव जोन-1 के जोनल अधिकारी का संयुक्त निरीक्षण अभियान

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। प्रवर्तन अधिकारी कर्नल सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम लीडर अनिरुद्ध तिवारी, मनोज कुमार, राजेश सिंह ने प्रवर्तन दल की टीम, पी आर डी जवानों एव जोन–1 के जोनल अधिकारी अवनींद्र कुमार, कर अधीक्षक राजेश सिंह के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुये, छठ स्थल (लक्षमण झूला) पर व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। जैसा की हम सब लोग जानते है कि छठ पूजा धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का पर्व है।इस पर्व में डूबते और उगते सूर्य देव को आरधना करते है एवं सबके सुखी रहने की शुभ कामना करते है।

परसपुर निवासी वरिष्ठ लिपिक की हृदयाघात से मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा । नगर पंचायत के शान नगर निवासी केवल प्रसाद चौधरी (58 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय किशोरी लाल चौधरी का सोमवार देर रात्रि हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वह एटा जिले के सीएमओ कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत थे । दीपावली की छुट्टी में वह घर आए थे। वह अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र एक पुत्री सहित हरा–भरा परिवार छोड़ गए। मंगलवार को उनका शव भौरीगंज स्थित सरयू नदी के तट पर ले जाया गया जहां उनके ज्येष्ठ पुत्र मुकेश चौधरी ने पिता को मुखाग्नि दी। बताया जाता है कि दीपावली की छुट्टी में वह दो दिन पूर्व ही विद्युत स्पर्शाघात से झुलसी मां को कुशलक्षेम जानने वह घर आए थे। सोमवार रात्रि अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। आनन फानन में उन्हें जिले के एक नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शोकाकुल परिवारीजनों में हरीराम चौधरी, मिश्रीलाल चौधरी, धनलाल चौधरी, मनोज चौधरी, संजय चौधरी, संतोष चौधरी, मोहित चौधरी, पत्नी पाली देवी, पुत्री ममता व पत्रकार चरन चौधरी शामिल हैं।

आबकारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने मनकापुर अमवा गांव ,अमवा जंगल में दबिश देकर 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया , मुकदमा पंजीकृत,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। अवैध शराब के निष्कर्षण व बिक्री की रोकथाम हेतु डीएम के आदेश पर आबकारी निरीक्षकों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। बुधवार को आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह द्वारा मनकापुर के अमवा गांव व अमवा जंगल में दबिश दिया गया इस दबिश के दौरान दौरान अमवा जंगल में लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई और मौके पर लगभग 2 कुंतल लहन नष्ट किया गया। आगे आप लोगों को बताते चलें कि आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध कच्ची शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है, आगे उन्होंने कहा कि जहां भी सूचना मिलेगी कि अवैध कच्ची शराब भी अवैध कच्ची शराब के निष्कर्षण व बिक्री की सूचना प्राप्त होती है वहां तत्काल पहुंचकर कार्यवाही की जाएगी और यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी, किसी को भी बक्सा नहीं जाएगा। दविश के दौरान टीम में आबकारी निरीक्षक मनकापुर सत्येन्द्र सिंह, प्रधान आबकारी सिपाही राम मोहन सिंह, आबकारी सिपाही अतुल कुमार सिंह, महेश कुमार शामिल रहे।

सम्पादकीय

‘गौरवमयी भारत’ में क्या है इंसानी जान की कीमत ?

भारतवर्ष इस समय हालांकि बेरोजगारी व मंहगाई जैसे भयंकर हालात का सामना कर रहा है उसके बावजूद सत्ता व सत्ता के शुभचिंतकों का पक्ष हमें हर हाल में यही समझाने की कोशिश में लगा रहता है कि देश की फिजाओं में ‘मौसम गुलाबी है’, फूलों में निखार है,बागों में बहार है। देश के अनेक धार्मिक तीर्थस्थलों का विकास किया जा रहा है। इसी विकास को देश का विकास तथा देश के ‘गौरव की वापसी’ का नाम दिया जा रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड स्थित केदार नाथ धाम में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद अपने संबोधन में अयोध्या, मथुरा, काशी और सारनाथ अदि स्थानों में चल रहे देश के कई हिन्दू तीर्थ स्थलों के पुनरुद्धार का जिक्र करते हुए कहा कि ‘हमारी विरासत को पुराना गौरव वापस मिल रहा है’। प्रधानमंत्री हिंदुत्व तथा देश के ‘सांस्कृतिक गौरव ’ की बातें कर रहे थे। यह वही केदार नाथ था जहाँ 2013 में आयी भीषण बाढ़ में सैकड़ों तीर्थयात्री अपनी जानें गंवा बैठे थे और हजारों लोग लापता हो गये थे। सवाल यह है कि क्या तीर्थस्थलों के विकास मात्र से देश के चहुमुखी विकास के द्वारा भी खुलेंगे ? क्या हमारे ‘धार्मिक ’ व ‘सांस्कृतिक गौरव ’ की वापसी हम भारतीयों में सुरक्षा का बोध करा पाने में भी सहायक होगी ? देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये दिन आने वाली मानव क्षति संबंधी खबरें सुनने के बाद भी क्या हम कह सकते हैं कि ‘बागों में बहार है ‘?

उदाहरण के तौर पर देश के हॉस्पिटल्स को ही ले लीजिये। हॉस्पिटल्स को एक ऐसे स्थान के रूप में जाना जाता है जहाँ से किसी बीमार या अस्वस्थ मरीज केरी स्वस्थ व निरोगी होकर वापस लौटने की उम्मीद की जाती है। जहाँ किसी भी मरीज के संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ की आस होती है। पूरे देश में प्रतिदिन लाखों रोगी विभिन्न अस्पतालों से स्वास्थ्य लाभ लेते हैं। परन्तु जरा कल्पना कीजिये कि कोई मरीज इन्हीं हॉस्पिटल्स से स्वस्थ होकर लौटने के बजाये यही अस्पताल जिंदा अवस्था में उसकी चिता का सबब बन जाये ? हॉस्पिटल्स में आग लगने की देश में एक दो नहीं बल्कि दर्जनों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। हर बार इसके अलग अलग कारण भी बता दिये जाते हैं। कोविड के दौरान जब कई अस्पतालों में खास कर उनके कोविड वार्डस में आग लगी तो यह बताया गया कि ऑक्सीजन की लगातार आपूर्ति के चलते मशीनरी के अत्यधिक गर्म हो जाने व ऑक्सीजन लीकेज होने की वजह से आग लग गयी। कभी यह बता दिया जाता है कि बिजली के शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गयी। तो देश में कई बार तो हॉस्पिटल्स में ऑक्सीजन की कमी के कारण भी मरीजों के प्राण त्यागने की खबरें आती रही हैं। हर बार इन सब हादसों का कोई न कोई कारण बता दिया जाता है। राज्य सरकारों द्वारा मृतक मरीजों को कुछ मुआवजा घोषित कर दिया जाता है ,घटना की जांच के आदेश देकर पीड़ित लोगों के गुस्से को फिलहाल शांत किया जाता है। और जिंदिगी की गाड़ी ऐसे हादसे के अगले ही दिन फिर पूर्ववत पटरी पर दौड़ने लगती है। हॉस्पिटल्स में फायर सेफ्टी मेजर्स थे या नहीं,थे भी तो उपयुक्त थे या नहीं, यदि नहीं थे तो फायर सेफ्टी मेजर्स के बिना हॉस्पिटल कैसे चल रहा था , हॉस्पिटल्स में फायर सेफ्टी मेजर्स संबंधी ऑडिट होते भी हैं या नहीं आदि प्रश्नों के उत्तर जनता को नहीं मिल पाते। नतीजतन ‘गौरवमयी भारत’ में इस तरह के एक हादसे के बाद दूसरा हादसा बदनसीब मरीजों का इंतेजार करता रहता है।

स्वयं को आधुनिक राज्य बताने वाला महाराष्ट्र गत एक वर्षों में पांच बार ऐसे हादसों की जद में आ चुका है। जिनमें सत्तर से अधिक लोग अपनी जानें गंवा चुके हैं। आगजनी की ताजातरीन घटना अहमदनगर जिला हॉस्पिटल के कोविड वार्ड की है जिसमें 11 मरीज जिंदा जलकर मर गये इनमें चार महिलायें भी शामिल थीं । अभी इस घटना को एक सप्ताह भी नहीं बीता था कि गत 8–9 नवंबर की रात मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के सुप्रसिद्ध हमीदिया अस्पताल के शिशु वार्ड में आगजनी की घटना घटी जिसमें फिलहाल 4 बच्चों के झुलस कर मरने की खबर है। प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में भी हॉस्पिटल्स में आगजनी की कई घटनायें घट चुकी हैं। इसीवर्ष 26 अप्रैल 2021 को गुजरात के औद्योगिक नगर सूरत में आयुष अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित आइसीयू में शॉर्ट–सर्किट के चलते आग लग गयी थी। यहाँ गंभीर रूप से बीमार चार कोविड मरीजों की मौत हो गई थी। इसी तरह मई 2021में गुजरात के भड़ूच जिले में कोविड के बीस मरीज जिंदा जल कर मर गये थे। यहाँ भी कारण बिजली का शार्ट सर्किट या ऑक्सीजन लीक होना बताया गया था। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के रायपुर में भी इसी वर्ष हॉसिपटल में आग लगने से चार मरीज मरे गये।

इस तरह की जमीनी हकीकत होने के बावजूद इन वास्तविकताओं से भारतवासियों का ध्यान भटकाने के लिये उन्हें जबरदस्ती ‘गर्व की अनुभूति’ कराने की कोशिश की जाती है। हमें बताया जाता है कि गर्व कीजिये कि दीपावली पर अयोध्या में इतने लाख दिये जलाकर गिन्नीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। गर्व कीजिये कि देश के हिन्दू तीर्थस्थलों का विकास किया जा रहा है। गर्व कीजिये कि हिन्दू जाग चुका है ,गर्व कीजिये कि देश हिन्दू राष्ट्र बनने जा रहा है। गर्व कीजिये कि इलाहबाद व फैजाबाद जैसे शहरों के ऐतिहासिक नाम बदलकर प्रयागराज व अयोध्या छावनी कर दिया गया है। परन्तु वह हिन्दू कैसे गर्व करे जिसके परिवार का सदस्य अस्पतालों से स्वस्थ्य होकर लौटने के बजाये उसकी जिंदा हालत में जली हुई लाश घर वापस पहुंचे ? उस हिन्दू या हिंदुस्तानी के लिये ऐसे ‘गौरवमयी भारत’ के क्या मायने जहाँ या तो मरीज बिना ऑक्सीजन के मर जाते हों या ऑक्सीजन लीक होने से हॉस्पिटल भवन में लगने वाली आग उनकी मौत का कारण बनती हो। हिन्दू राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर इसी ‘गौरवमयी भारत’ ने अभी कुछ महीने पहले ही गंगा सहित देश के कई नदियों के किनारे बहती व रेत पर पड़ी उन हजारों क्षत विक्षत लाशों की तस्वीरें देखी हैं। और हजारों कोविड मरीजों को ऑक्सीजन के अभाव में तड़प तड़प कर मरते भी देखा है। और इन्हीं हालात पर तरस खाकर दुनिया के अनेक देशों से सहायता आते भी देखा है। और देश के बेशर्म जिम्मेदारों को संसद में ऑक्सीजन की कमी से मुकरते भी देखा है। इसी ‘गौरवमयी भारत’ की सरकार के आंकड़ों के अनुसार देश के 33 लाख से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। यह हालात स्वयं इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि हिन्दू राष्ट्र बनने जा रहे ‘गौरवमयी भारत’ में इंसानी जान की कीमत आखिर है क्या?

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जातिगत विभेदों से ऊपर है ‘छठ’महापर्व

–मुरली मनोहर श्रीवास्तव–

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकति जायकृ बहंगी लचकति जायकृ

बात जे पुछेलें बटोहिया बहंगी केकरा के जाय ? बहंगी केकरा के जाय ?कृकृ

पर्यावरण संरक्षण की बात चल पड़ी है। प्रकृति के विभिन्न तत्वों के महत्ता को फिर से लोग समझने लगे हैं। हमारी सनातन परंपरा में प्रकृति पूजा का प्रचलन शुरु से हैऔर वर्ष के कोई न कोई दिन देवता पूजन के साथ–साथ प्रकृति पूजन से जुड़ा है। इस पृथ्वी के सजीवों की साक्षात निर्भरता सूर्य पर टिकी हुई है। उनके आराधना का पर्व पवित्रता के साथ–साथ सादगी का प्रतीक भी है। वैसे तो भारत देश में सभी त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। मुख्य रूप से यह त्योहार बिहार में मनाया जाता है लेकिन धीरे–धीरे यह भारत के सभी हिस्सों में मनाया जाने लगा है। इसके अलावे भारतवंशियों द्वारा विदेशों में भी मनाया जाता है। हिन्दुओं द्वारा मनाये जाने वाले इस पर्व को इस्लाम सहित अन्य धर्मावलम्बी भी मनाते हैं।

छठ पूजा हिंदू धर्म का प्राचीन त्योहार है जो सूर्य भगवान को समर्पित है। छठ त्योहार के वास्तविक उत्पत्ति के बारे में प्रमाण मिनते हैं। प्राचीन ऋग्वेद ग्रंथों और सूर्य की पूजा के लिए विभिन्न प्रकार की चर्चाएं मिलती भजन के रुप में मिलती है।

सुख, समशद्धि का व्रत है छठः

भारत में सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, मूलतः सूर्य षष्ठी व्रत होने के कारण इसे छठ कहा गया है। यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है। पहली बार चौत्र माह में और दूसरी बार कार्तिक माह में चौत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाये जाने वाले छठ पर्व को चौती छठ व कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाये जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है। चार दिवसीय इस त्योहार की शुरूआत चतुर्थी से होती है और सप्तमी को इसका अंतिम दिन होता है। सूर्य देव से जुड़े इस पर्व में महिलाएं पति की लंबी आयु और संतान सुख के साथ–साथ परिवार में सुख–समृद्धि के लिए इस व्रत को रखती हैं। छठ पूजा सूर्य और उनकी पत्नी उषा को समर्पित है। छठ पूजा की परंपरा और उसके महत्व के बारे में कई उल्लोख मिलते हैं। माना जाता है कि यह व्रत सीता तथा द्रौपदी ने भी रखा था।इस पर्व में सुगा और केला का अलग ही महत्व है। तभी तो संगीत में इसकी व्याख्या सुनने को मिलती है।

छठ के त्योइहार की शुरुआत महाभारत काल से मानी जाती है। द्रौपदी और पांडव ने अपनी समस्याओं को सुलझाने और अपने खोए राज्य को पुनः प्राप्त करने के लिए छठ त्योहार करना शुरु किया था। यह भी माना जाता है कि छठ पूजा पहली बार सूर्य पिता कर्ण द्वारा की गई थी। सूर्यपुत्र कर्ण प्रतिदिन घंटों नदी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया करते थे जिसकी वजह से वह महान योद्धा भी बने। उस जमाने से चली आ रही छठ में अर्घ्य दान की परंपरा प्रचलित है। वहीं यह भी माना जाता है कि जब पांडव अपना सारा राजपाठ हार गए तब द्रोपदी ने छठ व्रत रखकर पांडवों को उनका सारा राजपाठ वापस दिलवाया था। वहीं एक और कहानी यह है कि, भगवान राम और सीता ने 14 साल के निर्वासन के बाद अयोध्या लौटने के तुरंत बाद छठ पूजा की थी। उसके बाद यह महत्वपूर्ण और पारंपरिक हिंदू त्योहार के रुप में हर घर में मनाया जाने लगा।

36 घंटे का व्रत है छठः

इस पर्व की तैयारी दिवाली के बाद ही बड़े उत्साह से कर दी जाती है। छठ पूजा चार दिवसीय उत्सव है। इसकी शुरुआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी को होती है। इस दौरान व्रतधारी लगातार 36 घंटे का व्रत रखते हैं। इस दौरान वे पानी भी ग्रहण नहीं करते। पूजा की शुरुआतपहले दिन सेन्धा नमक, घी से बना हुआ अरवा चावल और कद्दू की सब्जी प्रसाद के रूप में ली जाती है। अगले दिन से उपवास आरम्भ होता है। व्रति दिनभर अन्न–जल त्याग कर शाम करीब सात बजे से गुड़ में खीर बनाकर, पूजा करने के उपरान्त प्रसाद ग्रहण करते हैं, जिसे खरना कहते हैं। तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को नदी में खड़ा होकर अर्घ्य यानी दूध अर्पण करते हैं। अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाते हैं। पूजा में पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

कठिन तपस्या का व्रत छठः

शास्त्रों के अनुसार ऐसा भी कहा गया है की इस दिन माता छठी यानि सूर्य की पत्नी की पूजा होती है। इस पूजा के जरिये हम भगवान सूर्य को धन्यवाद देते हैं और उनसे अपने अच्छे स्वास्थ्य और रोग मुक्त रहने की कामना करते हैं। जिन घरों में यह पूजा होती है। वहां भक्तिगीत गाकर ही सभी कार्यों को व्रति किया करते हैं। छठ उत्सव के केंद्र में छठ व्रत है जो एक कठिन तपस्या की तरह है। भोजन के साथ ही सुखद शैय्या का भी त्याग किया जाता है। पर्व के लिए बनाये गये कमरे में व्रति फर्श पर एक कम्बल या चादर के सहारे ही रात बिताते हैं। इस उत्सव में शामिल होने वाले लोग नये कपड़े पहनते हैं, जिनमें किसी प्रकार की सिलाई नहीं की गयी होती है। महिलाएं साड़ी और पुरुष धोती पहनकर छठ व्रत करते हैं।इस पर्व को करने के लिए एक मान्यता यह भी है कि जब तक अगली पीढ़ी की किसी विवाहित महिला इसके लिए तैयार न हो जाए। तब तक इसे करते रहना होता है। एक कथा के अनुसार प्रथम देवासुर संग्राम में जब असुरों के हाथों देवता हार गये थे, तब देव माता अदिति ने तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। तब प्रसन्न होकर छठी मैया ने उन्हें सर्वगुण संपन्न तेजस्वी पुत्र होने का वरदान दिया था। इसके बाद अदिति के पुत्र हुए त्रिदेव रूप आदित्य भगवान, जिन्होंने असुरों पर देवताओं को विजय दिलायी। कहते हैं कि उसी समय से देव सेना षष्ठी देवी के नाम पर इस धाम का नाम देव हो गया और छठ का चलन भी शुरू हो गया।

विश्वकर्मा ने किया देव सूर्य मंदिर का निर्माणः

बिहार के औरंगाबाद जिले के देव स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर अनोखा है। ऐतिहासिक त्रेतायुगीन पश्चिमाभिमुख सूर्य मंदिर अपनी विशिष्ट कलात्मक भव्यता के साथ–साथ अपने इतिहास के लिए भी विख्यात है। औरंगाबाद से 18 किलोमिटर दूर देव स्थित सूर्य मंदिर करीब सौ फीट ऊंचा है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण त्रेता युग में स्वयं भगवान विश्वकर्मा ने किया था। जनश्रुतियों के मुताबिक, एक राजा ऐल एक बार देव इलाके के जंगल में शिकार खेलने आए थे। शिकार खेलने के समय उन्हें प्यास लगी। पानी की तलाश करते हुए राजा के हाथ में जहां–जहां पानी का स्पर्श हुआ, वहां का कुष्ठ ठीक हो गया। काले और भूरे पत्थरों की नायाब शिल्पकारी से बना यह सूर्य मंदिर ओड़िशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर से मिलता–जुलता है। मंदिर के निर्माणकाल के संबंध में मंदिर के बाहर लगे एक शिलालेख पर ब्राह्मी लिपि में लिखित और संस्कृत में अनूदित एक श्लोक के मुताबिक, इस मंदिर का निर्माण 12 लाख 16 हजार वर्ष त्रेता युग के बीत जाने के बाद इला–पुत्र पुरुरवा ऐल ने आरंभ करवाया। छठ पर्व के मौके पर यहां लाखों लोग भगवान भास्कर की अराधना के लिए जुटते हैं, कहा जाता है कि जो भक्त मन से इस मंदिर में भगवान सूर्य की पूजा करते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सूर्य देवं नमस्तेस्तु गश्हाणं करुणा करं ’

अर्घ्यं च फलं संयुक्त गन्धा माल्याक्षतैयुतम्

विदेशों में भी छठ मनाया जाता हैः

सशष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्य की उपासना सभ्यता के विकास के साथ विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग रूप में प्रारम्भ हो गयी, लेकिन देवता के रूप में सूर्य की वन्दना का उल्लेख पहली बार ऋगवेद में मिलता है। इसके बाद अन्य सभी वेदों के साथ ही उपनिषद् आदि वैदिक ग्रन्थों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई है। निरुक्त के रचियता यास्क ने द्युस्थानीय देवताओं में सूर्य को पहले स्थान पर रखा है। उत्तर वैदिक काल के अन्तिम कालखण्ड में सूर्य के मानवीय रूप की कल्पना होने लगी। इसने कालान्तर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। वैसे तो छठ बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश का मुख्य पर्व माना जाता है। लेकिन इसकी महत्ता इतनी बढ़ी की अब यह नेपाल के कुछ हिस्सों में विस्तश्त रूप से मनाया जाता है इसके अलावे यह मॉरीशस, गुयाना, फिजी, त्रिनिडाड और टोबैगो सूरीनाम और जमैका में भी मनाया जाता है। इतना ही नहीं छठ देश के लगभग सभी हिस्सों सहित दुनिया के जिन देशों में भारतीय मूल के लोग निवास कर रहे हैं, वो निर्धारित तिथि पर छठ पूजा जरुर करते हैंया फिर जिनको संभव हुआ वो अपने गांव में आकर छठ पूजा करने के लिए जरुर आते हैं।

वेद–पुराणों में भी छठ की है चर्चाः

पौराणिक काल आते–आते सूर्य पूजा का प्रचलन और अधिक बढ़ गया। भारत में सूर्योपासना ऋग वैदिक काल से होती आ रही है। सूर्य और इसकी उपासना की चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्मा वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से मिलती है।मध्य काल तक छठ सूर्योपासना के व्यवस्थित पर्व के रूप में प्रतिष्ठित हो गया, जो आज तक चलता आ रहा है। पौराणिक काल में सूर्य को आरोग्य देवता भी माना जाता है। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पायी जाती है। तभी तो भगवान कृष्ण के पौत्र शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था।जिसका निवारण भी इसी व्रत से माना जाता है। छठ पर्व की एक अलग महत्ता है कि क्या राजा क्या रंक सभी एक साथ इस पर्व को मनाते हैं। इस अनुष्ठान के प्रति दिनोंदिन लोगों का लगाव बढ़ता ही जा रहा है। आस्था के इस पर्व में पूजा के साथ बच्चे जमकर इसको इंज्वॉय भी करते हैं।

कांग्रेस का चुनाव चिह्न भले ‘हाथ’ है, पर यूपी में कोई दल उससे हाथ मिलाने को तैयार नहीं है

–संजय सक्सेना–

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी की सियासी ताकत के सामने कांग्रेस काफी ‘बौनी’ नजर आ रही है। कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा की तमाम कोशिशों के बाद भी जमीन से जुड़ा आम कांग्रेसी उत्साहित नहीं नजर आ रहा है। इसकी वजह है पिछले कई चुनावों से कांग्रेस का लगातार गिरता हुआ जनाधार। इसीलिए पुराने कांग्रेसी दिग्गजों का लगता है कि यूपी में कांग्रेस जब तक पुनः मजबूत स्थिति में नहीं आ जाए तब तक वह गठबंधन की सियासत से परहेज नहीं करे। कांग्रेसी ही नहीं चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी चाहते हैं कि कांग्रेस एकला चलो की राह पकड़ने की बजाए गठबंधन की राह पकड़ कर चले, लेकिन कांग्रेस की मजबूरी यह है कि यूपी में कांग्रेस आज वैसे ही अछूत हो गई है, जैसे कभी भाजपा हुआ करती थी। कोई भी उससे हाथ मिलाने को तैयार नहीं है।

बड़े दलों की बात छोड़िए छोटे–छोटे दल भी कांग्रेस से दूरी बनाकर चल रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस को थोड़ी–बहुत उम्मीद बसपा से बची थी। बसपा इस समय सियासी रूप से काफी कमजोर नजर आ रही है। उसके नेता एक–एक कर पार्टी छोड़ते जा रहे हैं, लेकिन दलित वोटरों की आज भी पहली पसंद बसपा ही है। कांग्रेस को लग रहा था कि हासिए पर नजर आ रही बसपा उसके साथ गठबंधन का प्रस्ताव मान लेगी, इससे दोनों को ही फायदा होगा, लेकिन बसपा सुप्रीमो ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कांग्रेस की मुहिम को ठेंगा दिखा दिया है। बसपा किसी भी सूरत में यूपी में कांग्रेस के साथ आने को तैयार नहीं है। इसके लिए बीएसपी नेता जहां पुराने अनुभव को सामने रख रहे हैं, वहीं अहम रोड़ा पंजाब विधानसभा के चुनाव भी बने हुए हैं, जिसमें कांग्रेस और बसपा आमने–सामने हैं। यूपी में बसपा यदि कांग्रेस से हाथ मिलाती है तो इसका खामियाजा उसे पंजाब में भुगतना पड़ सकता है।

वैसे राजनीति के कुछ जानकार अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहते हैं कि कांग्रेस–बसपा गठबंधन किसी भी सूरत में नहीं हो सकता है। यह लोग कह रहे हैं कि यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के चुनाव पूर्व गठबंधन की संभावनाएं अभी खढत्म नहीं हुई हैं। कांग्रेस के लिए संकटमोचक की भूमिका निभा रहे प्रशांत किशोर को बसपा के साथ गठबंधन हेतु कुटनीतिक मुहिम चलाने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। पुराने कांग्रेसी और पार्टी के सचिव भक्त चरण दास ने साफ तौर पर कहा है कि हम बसपा के साथ गठबंधन की संभावना पर खुले मन से काम कर रहे हैं। उधर बसपा के अंदरूनी सूत्रों का भी कहना है कि मायावती किसी भी पार्टी से गठबंधन न करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार कर रही हैं। कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन को लेकर अंतिम तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन यह तय है कि अगर बसपा को चुनाव पूर्व या चुनाव के बाद गठबंधन की जरूरत पड़ी तो वो कांग्रेस के साथ जायेगी।

बहरहाल, बसपा सुप्रीमो मायावती अगर कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन को लेकर उलझन में हैं तो इसके पीछे कई कारण हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण के नतीजों से आश्वस्त बसपा को लगता है कि यूपी में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हें स्पष्ट बहुमत मिलेगा, वहीं साथ में मायावती समेत पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं को इस बात का डर भी है कि नीतीश कुमार के महागठबंधन और ओवैसी की पार्टी के चुनाव मैदान में उतरने से कई सीटों पर मुकाबला बहुकोणीय हो सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उसका सबसे ज्यादा नुकसान बसपा को होगा। बात कांग्रेस की कि जाए तो कांग्रेस की मौजूदा रणनीति यूपी में अधिकतम 100 सीटों को हासिल करने की है। भले ही पार्टी सवर्ण सीएम की बात कहकर प्रदेश के सवर्णों के वोटबैंक पर कब्जे का मंसूबा बनाती दिख रही हो लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यूपी में अपने दो दशक पुराने मुस्लिम और दलित वोट बैंक को हासिल करना है। इन दोनों में मुस्लिम वोट बैंक पर कब्जा पाना पार्टी के लिए ज्यादा आसान है क्योंकि यूपी में अखिलेश राज में हुए दंगों और समाजवादी पार्टी की कथित वादाखिलाफी की वजह से प्रदेश के मुस्लिम बेहतर विकल्प ढूंढ़ रहे हैं। ऐसे में उनके पास कांग्रेस और ओवैसी की पार्टी के अलावा कोई तीसरा विकल्प नहीं है। अगर बसपा कांग्रेस का गठबंधन होता है तो बसपा को उन सीटों पर सीधा लाभ मिल सकता है जहाँ वो मुस्लिम वोटों के एकतरफा सपा के पक्ष में पड़ने की वजह से हारती रही है। वहीं दूसरी तरफ सुरक्षित सीटों पर कांग्रेस के पक्ष में दलित वोटों के शिफ्ट होने की समस्या भी खढत्म हो जाएगी।

कांग्रेस–बसपा गठबंधन न होने का बड़ा कारण है पंजाब विधानसभा चुनाव जो यूपी के साथ ही होने जा रहा है। वहां बसपा का शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन है। 117 सीटों में से शिरोमणि अकाली दल ने 20 सीटें बसपा को दी हैं। इन सभी सीटों पर बसपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से है। इनमें से 18 सीटों पर तो हाल में कांग्रेस के ही विधायक हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर पंजाब में भी असंतोष है। कुछ बसपाई कह रहे हैं कि अकाली दल ने ऐसी सीटें बसपा को दी हैं, जिन पर बसपा का जनाधार कम है। इनमें पचास प्रतिशत सीटों पर तो उसका काडर वोटर बेहद कम है।

बसपा सुप्रीमो मायावती कांग्रेस के गठबंधन के आफर को क्यों महत्व नहीं दे रही हैं। इसकी गहराई में जाया जाए तो पता चलता है कि कांग्रेस पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की सियासत कर रही है, उससे मायावती काफी नाराज चल रही हैं। इनमें सबसे अहम कारण कांग्रेस द्वारा पंजाब में दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाना है। पंजाब में कांग्रेस ने वहां बड़ा दलित कार्ड खेला जबकि वहां कांग्रेस व बसपा आमने–सामने हैं। इतना ही नहीं, लखीमपुर खीरी में चन्नी की जबरदस्त आमद कराई गई और उन्होंने यहां तिकुनिया प्रकरण के पीड़ित किसानों को 50–50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। बसपा मानकर चल रही है कि कांग्रेस का यह निशाना पूरी तरह से बसपा के काडर वोटर को साधने के लिए है। इसी तरह से मार्च 2019 में प्रियंका गांधी अचानक भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद से मिलने अस्पताल पहुंच गई थीं। दरअसल चंद्रशेखर ‘बहुजन अधिकार यात्रा’ निकाल रहे थे। अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें मेरठ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां अचानक प्रियंका गांधी तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर व तत्कालीन पश्चिमी यूपी प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया को साथ लेकर उनसे मिलने पहुंच गईं और कहा कि चंद्रशेखर का संघर्ष उन्हें पसंद आया। बसपा मानकर चल रही है कि चंद्रशेखर से उनकी यह मुलाकात अनायास नहीं बल्कि बसपा के खिलाफ सुनियोजित थी।

इसके अलावा बसपा की निगाह इस विधानसभा चुनाव के साथ–साथ वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव पर भी है। बसपा थिंक टैंक को लग रहा है कि इस चुनाव में यदि कांग्रेस से हाथ मिलाया गया तो इसके दूरगामी प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में कहीं उसका काडर वोटर उससे छिटक न जाए क्योंकि भाजपा भी पूरी तरह से उसके वोटर को रिझाने की कोशिश में है। ऐसे में उसको नुकसान हो सकता है।

प्रभु स्मरण करने का रास्ता भी एक, मंजिल भी एक

–डॉ. जगदीश गांधी–

विश्व भर में धर्म के नाम पर जो लड़ाई–झगड़े हो रहे हैं, उसके पीछे एकमात्र कारण धर्म के प्रति लोगों का अज्ञान है। प्रायः लोग कहते हैं कि प्रभु का स्मरण करने के अलग–अलग धर्म के अलग–अलग रास्ते हैं, किन्तु मंजिल एक है।

परन्तु सभी धर्मों के पवित्र ग्रन्थों के अध्ययन के आधार पर हमारा मानना है कि प्रभु को स्मरण करने का रास्ता तथा मंजिल भी एक है। प्रभु की इच्छा व आज्ञा को जानना तथा उस पर दृढ़तापूर्वक चलते हुए प्रभु का कार्य करना ही प्रभु को स्मरण करने का एकमात्र रास्ता है। इस प्रकार मनुष्य जीवन केवल दो कामों के लिए (पहला) प्रभु की शिक्षाओं को भली प्रकार जानने तथा (दूसरा) उसकी पूजा (अर्थात प्रभु का कार्य) करने के लिए हुआ है।

हे परमात्मा, मेरी सहायता करें
कि मैं सेवा के योग्य बनूँ

परमात्मा का अंश होने के कारण हमारी आत्मा, अजर और अमर है जबकि हमारा शरीर अस्थायी है। मृत्यु के बाद में मिट्टी में मिल जायेगा। यह मनुष्य के विवेक पर निर्भर है कि अच्छे कार्य करके अपनी आत्मा का विकास करे या बुरे कार्य करके वह अपनी आत्मा का विनाश कर ले। भगवान की नौकरी करने जायेंगे तो वह पूछेंगे कि तुम्हारे अंदर क्या–क्या गुण हैं? भगवान की नौकरी सबसे अच्छी है। यदि वह मिल जाये तो सबकुछ मिल गया। इसलिए हमारी प्रभु से प्रार्थना है कि हे प्रभु हमारा कोई मनत्व ऐसा न हो जो आपकी इच्छा तथा आज्ञा के विरुद्ध हो। हमारी इन्द्रियाँ तथा मन हमारे वश में हों। हमारे प्रत्येक कार्य के पीछे छिपा हुआ उद्देश्य पवित्र हो और कोई भी स्वार्थ का विचार हमें प्रभु का कार्य तथा मानव जाति की सेवा से विचलित न कर सके। हे परमात्मा, मेरी सहायता कर कि मैं तेरी सेवा के योग्य बन सकूँ।

प्रभु का कार्य करके अपने मन, बुद्धि, आत्मा तथा हृदय को पवित्र बनायें मनुष्य जीवन की यात्रा में हमें प्रभु का कार्य करने के लिए शरीर रूपी यंत्र मिला हुआ है। परमात्मा ने विशेष कृपा करके शरीर रूपी मशीन फ्री ऑफ चार्ज प्रभु का कार्य करने के लिए हमें दी है। इसके साथ ही पशु तथा मनुष्य दोनों को स्वतंत्र इच्छा शक्ति मिली है लेकिन मनुष्य को अच्छे–बुरे का विचार करने की शक्ति विशेष अनुदान के रूप में मिली है जबकि पशु को अच्छे–बुरे का विचार करने की शक्ति नहीं मिली है। हमारा यह पूर्ण विश्वास है कि यदि हम अपने मन में अच्छे विचार लायेंगे तो हमें जीवन में अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। महापुरुषों के जीवन में देखे तो वे साधारण से असाधारण व्यक्ति अच्छे विचारों तथा अच्छे कार्यों के कारण ही बने।

केवल हमारा मन हमें अच्छे कार्य करने से रोकता है

हमें अच्छा कार्य करने से कौन रोकता है? केवल हमारा मन हमें अच्छे कार्य करने से रोकता है। इसके अलावा धरती तथा आकाश की कोई भी ताकत हमें अच्छे कार्य करने से रोक नहीं सकती। यदि हम मन के अंदर महान बनने के विचार लायेंगे तो हम महान बन जायेंगे। समझदार लोग समय तथा शक्ति के रहते अपनी आत्मा को अच्छे कार्यों के द्वारा पवित्र करते हैं। यह मानव जीवन हमें अपनी आत्मा के विकास के साथ ही प्रभु का कार्य करने के लिए मिला है। पवित्र आत्मा ही परमात्मा की निकटता का सौभाग्य प्राप्त करती है। इसलिए आइये, हम प्रभु का कार्य करके अपने मन, बुद्धि, आत्मा तथा हृदय को पवित्र बनायें। स्वार्थ का विचार हमारे सारे गुणों को नष्ट कर देता है

हृदय के अंदर ईश्वरीय गुण भरे हैं। कहीं हमारे स्वार्थ से भरे गंदे हाथ इस ईश्वरीय गुण रूपी खजाने को लूट न लें। स्वार्थ का जहर जिसके मन में आ गया उसका सबकुछ लुट जाता है। बड़े–बड़े आदमी बहुत ऊँचाई तक पहुँचने के बाद अपने स्वार्थ के कारण बहुत नीचे तक गिरते चले जाते हैं। स्वार्थ रहित हृदय पवित्र होता है। यदि परमात्मा से प्रेम करना है तो अपने से अर्थात अपने स्वार्थ से ऊपर उठना होगा क्योंकि प्रेम गलि अति साकरी जा में दो न समाय अर्थात् हमारे हृदय में एक ही के लिए रहने का स्थान है इसलिए इसमें या तो हम परमात्मा के गुणों को रख लें या फिर अपने स्वार्थ को। प्रभु की राह में निरन्तर आगे बढ़ने के लिए हमें धैर्यपूर्वक सहन करना चाहिए। ऐसा करने से अधिक से अधिक प्रभु प्रेम की प्राप्ति होती है।

हमारा जीवन केवल प्रभु इच्छा जानने तथा पूजा के लिए है

अर्जुन ने पहले भगवानोवाच गीता के ज्ञान द्वारा प्रभु इच्छा को जानने की कोशिश की तथा फिर प्रभु का कार्य करने के लिए युद्ध किया। अर्जुन ने गीता के सन्देश द्वारा जाना कि न्याय की स्थापना के लिए युद्ध करना ही प्रभु का कार्य अर्थात पूजा है। पवित्र गीता के ज्ञान से अर्जुन को शिक्षा मिली कि न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना चाहिए। अर्जुन ने प्रभु की शिक्षा को पहले जाना फिर महाभारत का युद्ध करके धरती पर न्याय के साम्राज्य की स्थापना की। अर्जुन ने परमात्मा के आदेश का पालन करने के लिए अपने ही कुटुम्ब के दुष्टों का विनाश किया।

आज की आवश्यकता

जब ईश्वर एक है। धर्म एक है तथा सारी मानवजाति एक ही परमपिता परमात्मा की संतान होने के नाते आपस में भाई–भाई हैं तो हम परमात्मा की प्रार्थना चाहें मंदिर में करें या मस्जिद में। गिरजाघर में करें या गुरुद्वारे में या कहीं अन्य स्थान पर, हमारी प्रार्थना पहुंचती एक ही परमपिता परमात्मा के पास ही है। इसलिए हमें एक ही परमपिता परमात्मा द्वारा युग–युग में दी गई मर्यादा, न्याय, समता, करुणा, भाईचारा, त्याग व हृदय की एकता की शिक्षाओं को मानना भी होगा और इन शिक्षाओं पर चलना भी होगा। वास्तव में जिस क्षण हम परमात्मा की युग–युग में दी गई की मर्यादा, न्याय, समता, कस्णा, एकता, दया, सद्भाव व एकता की शिक्षाओं को आत्मसात् करते हुए विश्व की सारी मानवजाति से एक समान प्रेम करना शुरू कर देंगे, वहीं से विश्व में मेरा धर्म, तुम्हारा धर्म उसका धर्म के भेदभाव के नाम पर बढ़ती हुई दूरियां स्वतः समाप्त हो जायेगी। वही विश्व शांति के लिए क्रांतिकारी सुबह भी होगी। सारी मानव जाति यह हृदय से स्वीकार करेगी कि ईश्वर एक है, धर्म एक है तथा सारी मानव जाति एक है।

लखीमपुर खीरी कांड : जांच में हथियारों से गोली चलने की हुई पुष्टि

लखीमपुर खीरी, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी कांड में विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट में मामले के मुख्य अभियुक्त और केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष की राइफल तथा दो अन्य हथियारों से गोली चलाए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकोनिया क्षेत्र में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी। किसानों का आरोप है कि केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अपनी गाड़ी चढ़ा दी और इस दौरान गोलियां चलाई गईं। पिछली नौ अक्टूबर को आशीष और उसके बाद गिरफ्तार किए गए अंकित दास तथा लतीफ काले के पास से लाइसेंसी राइफल, पिस्तौल, रिवाल्वर तथा रिपीटर गन बरामद की गई थीं। इन हथियारों को 15 अक्टूबर को विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चारों हथियारों की फॉरेंसिक जांच से इस बात की पुष्टि हुई है कि आशीष की राइफल समेत तीन हथियारों से गोली चलाई गई हालांकि रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि गोलियां किस वक्त चलाई गईं। उन्होंने बताया कि बरामद की गई राइफल आशीष की थी वहीं, पिस्तौल अंकित दास की और रिपीटर गन उसके सुरक्षाकर्मी लतीफ की थी और इन सभी से गोली चलने की पुष्टि हुई है। हालांकि इस मामले की जांच कर रही विशेष अनुसंधान टीम ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से मना किया है। तिकोनिया इलाके में पिछले तीन अक्टूबर को हुई हिंसा के मामले में बहराइच के निवासी जगजीत सिंह द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि यह पूरा मामला केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा और उनके बेटे आशीष की सुनियोजित साजिश का परिणाम है। मामले में कहा गया है कि किसान तीन अक्टूबर को केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री के पैतश्क गांव में आयोजित एक समारोह में शिरकत करने जा रहे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को काले झंडे दिखाने के लिए महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज के मैदान में एकत्र हुए थे। अपराह्न लगभग तीन बजे आशीष मिश्रा अपने 15–20 सशस्त्र लोगों के साथ तेज रफ्तार दोपहिया गाड़ियों से आए और प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर आशीष ने फायरिंग की, वह अपनी गाड़ी में बैठे थे जिससे किसानों को रौंदा गया। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि गोली चलाए जाने से बहराइच के नानपारा निवासी किसान गुरविंदर सिंह के बेटे सुखविंदर की मौत हो गई। हालांकि सुखविंदर केशव के दो बार हुए पोस्टमार्टम में उसे गोली लगने की पुष्टि नहीं हुई। इस मामले में आशीष समेत अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने अपने बेटे पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह उस वक्त मौका–ए–वारदात पर नहीं थे।

मासिक बैठक में किसान यूनियन ने पांच सूत्रीय मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन।भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत विकास खण्ड कार्यालय के सभागार में किसान नेता दीप सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें किसान नेताओ ने अपनी पांच

सूत्रीय मांगों को लेकर खण्ड विकास अधिकारी को संबोधित ज्ञापन उनकी अनुपस्थित में ए डी ओ पंचायत मनोज कुमार को सौंपा किसानों ने अपनी पंचायत में कहा कि ब्लाक क्षेत्र के हर गांवो में स्थायी व अस्थाई गो आश्रम में गोवंशों के खाने पीने की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए व आने वाली सर्दी को देखते हुए गो आश्रमो को टीन सेड आदि की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए तथा उन्होंने आगे मांग की विकास खण्ड के ग्रामीण क्षेत्रो में साफ सफाई की व्यवस्था सफाईकर्मियों के द्वारा नही की जाती है जिससे संक्रमण आदि का खतरा गांवो में बढ़ जाता है जिससे लोगो को संक्रमित बीमारियों का सामना करना पड़ता है साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए विकास खंड कदौरा के ग्रामीणांचल में खराब पड़े नलकुपो को शीघ्र संचालित करने की मांग की व प्रत्येक नलकूप पर ऑपरेटरों की नियक्ति की जाए इस मौके पर देवकरण सिंह ब्लाक अध्यक्ष , वीरेन्द्र गुप्ता ,बाबू सिंह जितेन्द्र सिंह , चंद्रशेखर , जयराम कुशवाहा, सुबोध आदि किसान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने गांव गांव में वैक्सीन लगवाने के लिए लोगो को प्रेरित किया

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के नेतृत्व में यशस्वी मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार कोविड वैक्सीनेशन अभियान चलाकर किया जाता है इसी अभियान के तहत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा एक–एक

गॉवी की जिला स्तरीय अधिकारियों को पर्यवेक्षण हेतु जिम्मेदारी दी गयी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 एनडी शर्मा द्वारा ग्राम जोल्हूपुर उसके मजरे मोतीनगर, सुल्तानपुर का टीकाकरण के लिये प्रेरित करने हेतु तथा शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य लेकर गॉव तथा बैक्सीन सेन्टर का भ्रमण किया गया है ग्यारह व्यक्ति जो किसी न किसी भ्रान्ति के कारण टीका लगवा रहे थे। उनको प्रेरित कर अपने सामने टीकाकरण कराया तथा भरोसा दिलाया कि ये टीका सुरक्षित कारगार है। कोरोना के विरूद्व लडाई में अन्तिम हथियार है। जिसके प्रयोग से करोना को हराया जा सकेगा। अपनी, अपने परिवार, ग्राम, समाज की सुरक्षा हेतु सभी जनपदवासी स्वयं आगे आकर टीकाकरण कराये इस दौरान ग्राम प्रधान, कोटेदार, आगनवाडी तथा आशा उपस्थित रहे।

बीएचयू पोस्टर विवाद: विरोध के बाद हटाई गई इकबाल की तस्वीर

वाराणसी, (वेब वार्ता)। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में छात्रों के एक समूह द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद, दो–राष्ट्र सिद्धांत की कल्पना करने वाले और पाकिस्तान के लिए प्रेरणा बने उर्दू कवि अल्लामा मुहम्मद इकबाल की तस्वीर वाला एक पोस्टर हटा दिया गया है। पोस्टर को बीएचयू के उर्दू विभाग के एक फेसबुक पेज पर पोस्ट किया गया था। हालांकि पोस्टर से बीएचयू के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय की तस्वीर गायब थी। सोशल मीडिया पर गंभीर आपत्तियों के बाद, पोस्टर को फेसबुक पेज से हटा दिया गया है और उर्दू विभाग ने माफी मांगी है। फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के डीन ने भी मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। उर्दू विभाग के अधिकारियों ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्टर को बदल दिया और ट्वीट किया, उर्दू विभाग, कला संकाय, बीएचयू, पोस्टर में दिए गए विवरण के अनुसार एक वेबिनार का आयोजन कर रहा है। पिछले पोस्टर में अनजाने में हुई गलती के लिए क्षमा करें। बीएचयू के प्रवक्ता राजेश सिंह ने कहा, कला संकाय (बीएचयू) के उर्दू विभाग ने मंगलवार को उर्दू दिवस के अवसर पर उर्दू के विकास में अल्लामा इकबाल की भूमिका पर एक वेबिनार का आयोजन किया था। विभाग ने इसका पोस्टर अपलोड किया था। जब उर्दू विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस मुद्दे की ओर खींचा गया, तो उन्होंने पोस्टर हटा दिया। प्रवक्ता ने कहा कि पोस्टर को दूसरे पोस्टर से बदल दिया गया था जिसमें बीएचयू संस्थापक की छवि थी। उर्दू विभाग के प्रमुख ने लिखित रूप में अपनी माफी व्यक्त की है। संकाय के डीन ने भी माफी के साथ नए पोस्टर को ट्वीट किया और इस पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया। शोधार्थियों विवेक कुमार, गुंजेश गौतम, दिव्यमणि द्विवेदी और पतंजलि पांडे सहित बीएचयू के छात्रों के एक समूह ने मंगलवार को फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के डीन से उनके कार्यालय में मुलाकात की और मामले पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

यूपी में एक और जिले का बदलेगा नाम, सीएम योगी ने बदायूं के लिए वेदामऊ का दिया सुझाव

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर संकेत दिया है कि राज्य के एक और जिले का नाम बदला जा सकता है। मंगलवार को बदायूं जिले में एक समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, बदायूं को पहले वेदामऊ के नाम से जाना जाता था। यह वैदिक अध्ययन का केंद्र था और यह दुनिया की सबसे उपजाऊ भूमि है। हालांकि पहले नाम बदलने की कोई मांग नहीं थी, लेकिन मंगलवार को मुख्यमंत्री के संकेत से स्थानीय भाजपा इकाई हरकत में आ गई है। एक स्थानीय भाजपा नेता रजित सभरवाल ने कहा, हम अब बदायूं का नाम बदलने की औपचारिक मांग रखेंगे। हमने तैयारी शुरू कर दी है और इतिहास से तथ्यों को खोज रहे हैं। हमें उम्मीद है कि चुनाव से पहले प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पौराणिक कथाओं के अनुसार बदायूं का नाम अहीर राजकुमार बुद्ध के नाम पर पड़ा था। प्रो. गोटी जॉन के अनुसार, एक प्राचीन शिलालेख में इस शहर का नाम बेदामूथ रखा गया और इस क्षेत्र को पांचाल कहा जाता था। शिलालेख पर लिखी पंक्तियों के अनुसार नगर के निकट एक ग्राम भदौनलक था। एक मुस्लिम इतिहासकार रोज खान लोधी ने कहा कि यहां अशोक–द ग्रेट ने एक बौद्ध विहार और एक किला बनवाया और इसका नाम बुद्धमऊ रखा। दिलचस्प बात यह है कि बदायूं में अब 21 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ और सुल्तानपुर का नाम कुशभवनपुर करने का प्रस्ताव पहले से ही राज्य सरकार के पास लंबित है।

अयोध्या की प्रसिद्ध परिक्रमा चौदहकोसी 12-13 नवम्बर को।

पंचकोसी परिक्रमा 14–15 नवंबर कोहोना हुआ निश्चय

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की धर्म नगरी अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा 12–13 नवंबर को, व पंचकोशी परिक्रमा13व14नवमबर को होगा। क्रमशाह जिला प्रशासन के अधिकारियों ने 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का किया निरीक्षण।परिक्रमा मार्ग के सभी कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश।यातायात के जगहों पर बैरिकेडिंग के निर्देश। एडीएम सिटी सलिल पटेल,सिटी मजिस्ट्रेट सत्येंद्र सिंह, एसपी सिटी विजय पाल सिंह व नगर निगम की टीम ने किया निरीक्षण। 12 नवंबर को है 14 कोसी परिक्रमा।सुबह 10:22 से शुरू होगी 14 कोसी परिक्रमा। दूसरे दिन 13 नवंबर को 9:36 पर समाप्त होगी

परिक्रमा। 14 नवंबर को 9:00 बजे दिन में शुरू होगी पंचकोसी परिक्रमा। 15 नवंबर को सुबह 8:52 पर समाप्त होगी पंचकोसी परिक्रमा। परिक्रमा में होती है लाखों की भीड़।

सड़क हादसे में वाइक सवार दो युवकों की दर्द नाक मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

कालपी जालौन। मंगलवार को कालपी – जोल्हूपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में चौरासी गुम्बद के समीप भीषण दुर्घटना में वाइक सवार दो युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई फलस्वरूप काफी देर तक अफरा तफरी मची रही। प्राप्त जानकारी

के मुताबिक सिरसा कला थाना क्षेत्र के ग्राम भगौरा निवासी अनूप सविता पुत्र सर्वेश उम्र 23 वर्ष तथा जगदेव सिंह पुत्र मानसिंह उम्र 22 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल से कालपी से अपने गांव जा रहे थे राष्ट्रीय राजमार्ग में चौरासी गुंबद के पास बेकाबू मारुति वैन से मोटरसाइकिल टकरा गई इस दुर्घटना में बाइक सवार नजदीक से निकल रहे ट्रक की चपेट में आ गए। फलस्वरूप दोनों युवकों की दर्द नाक मौत हो गई। सूचना पाकर दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में पहुंचाया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ उदय कुमार ने दोनों युवकों का परीक्षण करने के बाद मृत्यु घोषित कर दिया। बताते हैं कि मृतक अनूप की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। जबकि जगदेव सिंह अविवाहित हैं। घर में खबर पहुंचने पर दोनों युवकों के पारिवारिक जनों में मातम छा गया।

अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री का भण्डाफोड़, ०३ अदद निर्मित, ०१ अदद अर्द्धनिर्मित असलहा व असलहा बनाने के उपकरणों सहित ०१ अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अवैध शस्त्र के निर्माण, बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को दिये थे जिसके क्रम में थाना को0 देहात व एस0ओ0जी0 की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 09/10.11.2021 की रात्रि को थाना को0 देहात व स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीम क्षेत्र भ्रमण में रवाना होकर थाना क्षेत्र के बेलवा नोहर चौराहे के पास मौजूद थे कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम करनपुर, परसपुर जाने वाले मुख्य मार्ग के निकट कुछ लोग अवैध शस्त्र बनाने का कार्य कर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुँचकर दबिश देकर अभियुक्त शिवसहाय पाण्डेय को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 03 अदद अवैध तमंचा 12 बोर, 01 अदद

अर्द्धनिर्मित तमंचा 12 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर, 02 अदद जिन्दा व 02 अदद खोखा कारतूस व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किये गये। पूछताछ के दौरान अभियुक्त शिव सहाय ने बताया कि वह अपने भौतिक एवं आर्थिक लाभ हेतु अवैध तमंचा बनाने व बिक्री करने का काम किया करता हूँ। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना को0 देहात में सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

छठ को लेकर लोगों में उत्साह और रौनक

पटना,। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर लोगों में उत्साह और रौनक देखने को मिल रही है और राजधानी पटना भक्तिमय हो गयी है। राजधानी पटना के लोग आज अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देंगे जिसके लिये जहां साफ–सफाई से लेकर सुरक्षा और अन्य तैयारियां पूरी कर ली गयी है वहीं छठ व्रतियों में उत्साह और रौनक देखते ही बन रही है। छठ की छटा आज पूरी राजधानी में छाई हुयी है। घर से लेकर घाट तक, गलियों से लेकर सड़कों तककृ हर तरफ आकर्षक सजावट दिख रही है। पुलिस प्रशासन भी अलर्ट है। छठ को लेकर राजधानी पटना समेत पूरे बिहार के घर–घर में छठ के गीत गूंजने लगे हैं। " केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेड़राय, आदित लिहो मोर अरगिया., दरस देखाव ए दीनानाथ., उगी है सुरुजदेव., हे छठी मइयातोहर महिमा अपार., कांच ही बास के बहंगिया बहंगी लचकत जाय कृकृ , गीत सुनने को मिल रहे हैं।" राज्य सरकार ने हर छठ घाट पर सुरक्षा तय करने के लिए जिला प्रशासन को आदेश दिया है। प्रमुख घाटों पर गोताखोरों के साथ पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है, जिससे किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं हो। राजधानी में गंगा घाटों की सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। खासकर, किसी भी तरह की कोई भगदड़ न मचे, इसका ख्याल रखने की पूरी कोशिश जिला प्रशासन कर रहा है। पटना नगर निगम की ओर से शहर के पार्कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बने तालाबों में गंगाजल डाला जा रहा है। गंगाजल अस्थायी और स्थायी दोनों प्रकार की तालाबों में निःशुल्क डाला जा रहा है। छठ घाट पर पुख्ता चिकित्सीय इंतजाम किये गये हैं। आपात परिस्थिति में एंबुलेंस की मदद ली जा सकती है। पटना में गंगा घाटों पर छठ पूजा करने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से कई सुविधाएं मुहैया करायी गयीं हैं। जिला प्रशासन ने नगर निगम क्षेत्र के 12 घाटों को खतरनाक घोषित किया है। छठव्रती राजधानी पटना में 96 गंगाघाटों पर अर्घ्य दे सकेंगे।इन घाटों पर सम्पर्क पथ, पार्किंग स्थल, रोशनी एवं नदी में बैरिकेडिंग की व्यवस्था गई है। घाटों पर व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है। घाटों पर और आने–जाने के रास्ते पर रंग–बिरंगे एलइडी बल्बों से आकर्षक सजावट के साथ–साथ रोशनी की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। व्रतियों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा गया है। प्रशासन की ओर से जहां साफ–सफाई के लिये अभियान चलाया गया है वहीं लोग अपने स्तर से मुहल्लों और गलियों में साफ–सफाई का ध्यान रख रहे हैं जिससे अर्घ्य देने के लिये जा रहे छठ व्रतियों को किसी तरह की कठिनाई न हो। राजधानी के गंगा घाटों पर स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराएगा। घाटों पर अस्थायी कैंप के अलावा एम्बुलेंस, दवा और मेडिकल टीम की तैनाती होगी। प्रत्येक घाट पर नाव/नाविक एवं गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति की गई है।निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति के लिए प्रत्येक घाट पर विद्युत अभियंताओं के नेतृत्व में विद्युत कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके साथ नाविक, गोताखोर घाटों पर तैनात रहेंगे।घाट तक आने–जाने वाले रास्तों पर रोशनी की व्यवस्था, साउंड सिस्टम और सजावट की बेहतर व्यवस्था की गई है। इन घाटों पर 300 से अधिक चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। इसके अलावे सुरक्षा के दृष्टिकोण से 130 से अधिक वॉच टावर बनाए गए हैं। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने छठ के मद्देनजर गंगा में नौका चलाने पर भी रोक लगा दी है। उन्होंने बताया कि छठ घाट तैयार हो गए हैं। व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।शांति एवं विधि–व्यवस्था के साथ–साथ दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल से साथ–साथ गोताखोर, चिकित्सा दल, एम्बुलेंस के साथ चिकित्सक एवं विद्युत विभाग के पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर की गई है।घाटों के ऊपरी हिस्से में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। सीसीटीवी कैमरों से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। टावर पर तैनात कर्मी सीधे नियंत्रण कक्ष से जुड़ा रहेगा। घाटों पर आतिशबाजी पर प्रतिबंध रहेगा। घाटों पर सफाई के साथ रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के गंगा घाटों का निरीक्षण किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि छठ घाटों तक व्रतियों के पहुंचने की सुविधा एवं सुरक्षा का पुख्ता प्रबंध रखें। खतरनाक एवं दलदल घाटों पर लोगों के आवागमन पर पूर्णतः पाबंदी हो। छठ पूजा के दौरान गंगा घाटों पर वॉच टावर से सतत निगरानी रखी जाए। गंगा के जलस्तर को देखते हुए घाटों की घेराबंदी सुनिश्चित करें। छठ व्रतियों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिये घाटों पर पर्याप्त संख्या में नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था हो।इस बार काफी अच्छी संख्या में गंगा तटों पर छठ घाटों का निर्माण कराया गया है और लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा का पुख्ता प्रबंध किया गया है। उन्होंने लोगों से सद्भाव से छठ पर्व मनाने की अपील की तथा उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि छठ महापर्व के चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन कल व्रतियों ने निष्ठा और पवित्रता के साथ भगवान भास्कर की पूजा–अर्चना करके खरना किया। भगवान भास्कर को गुड़ मिश्रित खीर और घी की रोटी का भोग लगाकर स्वयं भी ग्रहण किया। साथ ही भाई–बंधु, मित्र और परिचितों में खरना प्रसाद बांटा।आज अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। कल उदयीमान सूर्य को अर्घ्य के बाद पारण के साथ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान पूरा हो जाएगा।

योगी दिखायेंगे कानपुर मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी

कानपुर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज कानपुर मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाएंगे और मेट्रो में सफर कर सुविधाओं का निरीक्षण भी करेंगे। आसमान में छायी धुंध के चलते मुख्यमंत्री का विमान अपने पूर्व निर्धारित समय से करीब आधा घंटा देरी से चकेरी हवाई अड्डे उतरा। हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री का काफिला कार्यक्रम स्थल के लिये रवाना हो गया। मुख्यमंत्री मेट्रो कोच में उपलब्ध सुविधाओं के साथ ही प्लेटफार्मों की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण करेंगे। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य की शुरुआत 15 नवंबर 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना दो साल से भी कम समय में बन कर तैयार हुई है। जो कि एक रिकार्ड है। बुधवार को 9 किलोमीटर लंबे प्राथमिक सेक्सन पर ट्रायल रन की शुरुआत होगी। कानपुर मेट्रो परियोजना के अंतर्गत लगभग 32.5 किमी लंबे दो मेट्रो कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। पहला आईआईटी से नौबस्ता जो कि 23.8 किमी है। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय से बर्रा तक 8.6 किमी लंबा कारीडोर है। पहले कॉरिडोर के अंतर्गत आईआईटी कानपुर से मोतीझील तक पहला सेक्शन बनकर तैयार हो गया है। इस सेक्शन में कुल 9 मेट्रो स्टेशन बने हैं।

जिलाधिकारी महेन्द्र बहादुर सिंह ने की निघासन बीडीओ राकेश कुमार सिंह की जम कर सराहना

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। विकास खण्ड निघासन की ग्राम पंचायत रकेहटी के मजरा झोलहु पुरवा मैदान की गौशाला में स्थित थी, जहाँ कुछ समय पूर्व बाढ़ के पानी ने फसलों के साथ बेजुबान गौवंशीय पशुओं पर भी अपना कहर ढा दिया और पूरी गौशाला जलमग्न हो गई तब वहाँ तत्काल मौके पर पहुँच कर गौवंशीय पशुओं को ऊंचे स्थान पर पहुँचाने का कार्य निघासन बी.डी.ओ राकेश कुमार सिंह ने अपने कर्मचारियों के साथ किया था जिसकी सराहना क्षेत्र में हुई थी, वही आज जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी महेन्द्र बहादुर सिंह ने रकेहटी में स्थित अस्थाई गौशाला का औचक निरीक्षण किया झोलहूपुरवा में स्थित गौशाला में बाढ़ का पानी भर जाने के कारण वहाँ से गौवंशीय पशुओं को नाव, ट्रैक्टर ट्राली से रेस्क्यू करके कुछ ही दूर पर स्थित पानी की टंकी के परिसर में पहुँचाने का कार्य किया गया था। जिसकी व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त देखकर डी.एम खीरी ने बी.डी.ओ निघासन राकेश कुमार सिंह के कार्यो की जम कर सराहना की और आगे से भी अपने कार्यो के प्रति सजग और समर्पित रहने के लिए कहा तथा पशुओं को ठण्ड से बचाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनिल सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय ढुल, उपजिलाधिकारी निघासन श्रद्धा सिंह, खण्ड विकास अधिकारी राकेश कुमार सिंह, पशु चिकित्साधिकारी डॉ अवधेश पटेल, सचिव उपदेश वर्मा,सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

विनोद कुमार सिंह
अवध की आवाज दैनिक पेपर ब्यूरो चीफ गोंडा।
मोबाइल नंबर – 9369539488,9984461994
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

मोहित दूबे, प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत जोगापुर विकासखंड मनकापुर जिला गोंडा।
मोबाइल नंबर -91 84231 42200

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

आशा वर्मा,
ग्रामप्रधान – तुर्काडिया
विकासखंड मनकापुर ,जिला गोण्डा
मोबाइल नंबर – 8299344812

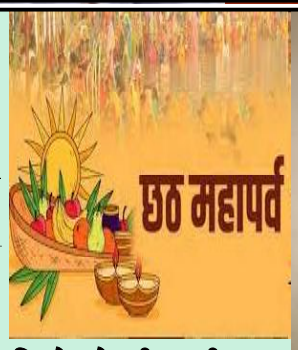

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

पप्पू तिवारी
पता - दलपतपुर , गोंडा
मोबाइल नंबर-99192 29692

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद आर्य चंचल
जिला पंचायत सदस्य (मनकापुर प्रथम) गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838727144
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

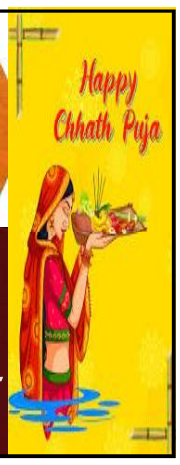

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रेमनाथ वर्मा (बीडीसी,हरनाटायर)
विकासखंड मनकापुर , जिला गोंडा

वंशराज, ग्राम प्रधान - मदनापुरभान , विकासखंड मनकापुर जिला गोंडा
मोबाइल नंबर - 9565112415
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादून व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

डॉ.पवन नन्दा
स्कूल – श्री केडी मेमोरियल नन्दा पब्लिक स्कूल (हड्रवा), मोतीगंज गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838978507,8808400452

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद कुमार सोनी
मां पाटेस्वरी ज्वेल्स
पता -मोतीगंज बाज़ार, जिला गोण्डा
मोबाइल नंबर - 9838002150
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादून व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनाये

बिजली की चपेट में आने से बन्दर की हुई मौत

अवध की आवाज ब्यूरा

पिरौना, जालौन। जनपद जालौन के हरदोई गूजर में बिजली से चिपककर बंदर की हुई मौत पूरा मामला जनपद जालौन के हरदोई गूजर का है। जहां पर खुले मे रखा ट्रांसफार्मर की चपेट मे आने बंदर की मौके पर मौत हो गयी ग्रामीणों ने बंदर को सावधानी से निकालकर बड़ी भक्ति के साथ जमीन मे दफन किया ग्रामीणों ने बताया की हम लोग रास्ते से निकल रहे थे की देखा की एक बंदर बिजली की चपेट मे गया इसके बाद बंदर को उठाया और जमीन मे गड्ढा खोदकर दफना दिया।

संचारी रोगों पर जागरूकता के लिए चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

अवध की आवाज ब्यूरा

लखनऊ। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मंगलवार को जिला स्वास्थ्य समिति एवं फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा संचालित एम्बेड परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में मच्छरों के काटने से बचना जरूरी है। यह मच्छर साफ रुके हुए पानी में होता है, इसलिए घर के आस–पास पानी जमा न होने दें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने डेंगू से बचाव सम्बन्धी पोस्टर के लिए न सिर्फ जागरूक किया जा रहा है बल्कि उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु शपथ दिला कर उनका हस्ताक्षर भी कराया जा रहा हैं।

इसी क्रम में महापौर संयुक्ता भाटिया, विधायक नीरज बोरा, नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी, अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.के. रावत, संचारी रोग के नोडल अधिकारी डा.के.पी. त्रिपाठी और लोक गायिका पद्म श्री मलिनी अवस्थी इस हस्ताक्षर अभियान का हिस्सा बनीं उन्होंने हस्ताक्षर कर लखनऊ की आम जनता को मच्छर व मलेरिया–डेंगू से मुक्त बनाने की दिशा में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। जिलाधिकारी कार्यालय में संचारी रोग जागरूकता को लेकर हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने हस्ताक्षर किए, उन्होंने कहा कि– संचारी रोग मुख्यतः मच्छरों के कारण ही होते हैं इसलिए हमें लोगों को जागरूक करना आवश्यक है कि वह इनसे बचाव के तरीके अपनाएं एवं मच्छरजनित परिस्थितियाँ उत्पन्न न होने दें। उन्होंने कहा कि डेंगू बुखार एक संक्रामक रोग है, इसका संक्रमण एडीज मच्छर द्वारा काटने से होता है, इसलिये डेंगू से बचाव के लिए का विमोचन करते हुए एम्बेड समन्वयक को संबंधित सभा स्थलों पर लगवाये जाने के लिये आवश्यक समन्वय हेतु निर्देश दिए ।

एम्बेड परियोजना के समन्वयक धर्मेन्द्र त्रिपाठी ने बताया– संचारी रोगों विशेषतया डेंगू एवं मलेरिया जागरूकता के लिए विगत सप्ताह से विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लोगों का ध्यान इस बीमारी के प्रति आकृष्ट कराने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया जा रहा है। जिसके माध्यम से लोगों को डेंगू/मलेरिया/चिकनगुनिया से बचाव

करिश्मा शेट्टी का ब्लिंग थीम्ड बर्थडे बैश

मुंबई,। करिश्मा शेट्टी का बर्थडे बैश काफी शानदार रहा। यह ग्लिट्ज, ग्लैमर, ऐश्वर्य और बर्थडे गर्ल के लिए ढेर सारे प्यार के साथ एक शानदार शानदार पार्टी थी, जो पूरी तैयारियों को दर्शाती थी, जो किसी परफेक्ट से कम नहीं थी।पार्टी में बॉलीवुड और टेलीविजन उद्योग के नामचीन चेहरे–मनाली जगताप, आकृति कक्कड़, शिबानी कश्यप, राजीव रोडा, तजिंदर सिंह तिवाना, गुरप्रीत कौर चड्ढा, कुंवर अमर, गणन्या चड्ढा, पाखी हेगड़े, तेजस्विनी जगताप, हीना पांचाल शामिल रहे। करिश्मा शेट्टी ने कहा, मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन मनाकर बहुत खुश हूं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।